



पीरियड्स में बाँयफ्रेंड ने मेरी गांड ही मार ली

“यार, इन पीरियड्स के चक्कर में कब तक रुकूँ ?
तुमने कहा था कि आज खत्म हो जायेंगे ? मैं गुस्से से
बोली- क्या मैं झूठ बोल रही हूँ । यकीन नहीं तो पेंटी
उतार कर देख लो । ...”

Story By: अनन्या शाश्वती (madhu149)

Posted: Monday, May 15th, 2017

Categories: [लड़कियों की गांड चुदाई](#)

Online version: [पीरियड्स में बाँयफ्रेंड ने मेरी गांड ही मार ली](#)

पीरियड्स में बॉयफ्रेंड ने मेरी गांड ही मार ली

मैं मधु जायसवाल आप सभी अन्तर्वासना की हिंदी सेक्सी स्टोरी प्रेमी पाठकों को प्यार भरा नमस्कार करती हूँ और अपनी दोनों चुची को जोड़कर माफ़ी मांगती हूँ, उम्मीद करती हूँ कि आप लोग अपनी प्यारी मधु को माफ़ कर देंगे।

क्या करूँ... अपने यारों के साथ कुछ ज्यादा व्यस्त थी, कोई मुझे छोड़ना ही नहीं चाहता... जब देखो, चोदने की फ़िराक में लगे रहते हैं। इसलिए यह कहानी लिखने में देर हो गई।

मैं आप लोगों से फिर एक बार माफ़ी मांगती हूँ। और मेरी इस गलती की सजा आप लोग मुझे दे सकते हो, इस बार मैं अपनी गलती का हर्जाना देने के लिए तैयार हूँ।

इस बार आप लोग मेरी रसभरी चुची से 2 बून्द के बजाय 4 बून्द दूध पी सकते हैं क्योंकि इस बार मेरे यारों ने मेरी जमकर खातिरदारी की है, मेरी चुची दूध से एकदम लपालप भरी हुई है, आप लोग जमकर आनन्द उठाएँ।

लेकिन आप लोगों से एक विनती है कि मेरी चुची में कोई दांत से न काटे, मेरा दूध प्रेम से पिए और मेरे छोटे से बेटे को भी पीने दे क्योंकि मेरा बेटा भी मेरा दूध कितने दिनों से नहीं पी पाता है क्योंकि सारा दूध निचोड़ कर तो मेरे बेटे के बाप लोग पी जाते हैं इसलिए आपसे विनती है कि अपने साथ मेरे बेटे को भी उसकी माँ का दूध पीने दें। आप लोग दूध पीते हुए इस कहानी का आनन्द लें।

अब मैं सीधे कहानी पर आती हूँ। जैसा आप लोगों ने मेरी पिछली कहानियों में मेरी चुदाई के बारे में पढ़ा कि कैसे मैंने 24 घंटे के अंदर जाने अनजाने में तीन लंडों को अपने अंदर समाहित कर लिया। अब आगे कितनों के लंडों की मालकिन बनी, यह मैं आपको बताती जाऊँगी।

बार बार चूत चुदाई के बाद जैसे मैं और खिल सी गई, पहले से और ज्यादा हॉट हो गई, मेरी चुची पहले से ज्यादा फूल गई थी जैसे किसी पेड़ पर दो रस भरे आम लगे हों और जिसे देखो वो चूसना चाहते हैं। जब चलती तो गांड ऐसे मटकती जैसे की गांड न हो दो बड़े तरबूज किसी ने बांध दिए हों।

पहले मैं यह बात नहीं मानती थी लेकिन एक बार मेरे बॉयफ्रेंड ने मेरी मटकती हुई गांड की वीडियो रिकॉर्ड करके दिखाई, उसे देख कर मैं खुद उत्तेजित हो गई।

तो आप लोग ही बताओ कि मेरी चाल देखकर लोगों पर क्या बीतती होगी। इसलिए मैं अपनी हॉट जवानी का पूरा उपयोग लोगों में आग लगाने में करती हूँ।

मैं ज्यादातर कसी हुई टॉप और छोटी सी स्कर्ट या बिल्कुल छोटी सी लोअर पहन कर चलती हूँ, मैं हमेशा कोशिश करती हूँ कि ब्रा पेंटी न पहनूँ जिससे मेरी चुची और गांड बहुत ज्यादा लचकती हैं और लोग देखकर बिल्कुल गर्म हो जाते हैं, मुझ पर गन्दे गन्दे कमेंट करते जिन्हें सुन कर मुझे काफी मजा आता है।

कोई कहता 'काश एक रात के लिए मिल जाती...'

तो कोई कहता 'सिर्फ एक बार इन नंगी जांघों पर एक चुम्मी लेने दे...'

तो कोई कहता 'यार जब ये बाहर इतने छोटे कपड़े पहनती है तो घर में तो नंगी ही रहती होगी! पता नहीं इसका बाप और भाई कैसे बर्दाश्त करते होंगे।'

तभी उन्हीं में से एक आदमी बोला- बर्दाश्त क्या करते होंगे भाई, वो लोग तो खुद चोदते होंगे।

ऐसी बातें सुनकर मैं उत्तेजित हो जाती हूँ।

वैसे मैं आप लोगों को बता दूँ कि मैं घर में एकदम संस्कारी लड़की बनकर रहती हूँ। घर में सलवार सूट या जीन्स कुर्ती पहनती हूँ और यही सब पहनकर घर से निकलती हूँ।

कॉलेज जाते वक्त मैं रास्ते में दोस्त के यहाँ या पब्लिक टॉयलेट में जाकर कपड़े चेंज कर लेती थी और कॉलेज एकदम हॉट मॉल बनकर पहुँचती थी। मुझे पे कॉलेज के लड़के, स्टाफ यहाँ तक कि सारे टीचर भी मुझे पर फुल लाइन मारते थे और मैं सारे टीचरों के लाइन का जवाब स्माइल कर के देती थी।

सारे टीचर मौका मिलते ही मुझे कोई भी बहाने से टच करते रहते थे और मैं उन लोगों को फुल ओपन लाइन देती थी।

मेरी हॉट और कातिल अदा को देखकर मेरे इंस्टीट्यूट में मुझे रेस्पेशनिस्ट का जॉब ऑफर हुआ लेकिन मैंने मना कर दिया क्योंकि मुझे उस टाइम पैसों में कोई इंटरैस्ट नहीं था, मुझे तो बस अपनी जवानी को एन्जॉय करना था किसी भी कीमत पर!

आप लोगों को पता ही है कि मैं अपने बॉयफ्रेंड से कैसे बीच सड़क चुदी, उसके बाद हम एकदम खुल से गए थे, जब भी मौका मिलता, वो मेरी जबरदस्त चुदाई करता था। हमारी चुदाई के किस्से पूरे कॉलेज में मशहूर थे।

मेरा एक ग्रुप था जिसमें कुल 4 लड़के और 4 लड़कियां थी, यानि 4 कपल, ग्रुप के सारे लोग अपने बॉयफ्रेंड और गर्लफ्रेंड से खुश थे, सब एक दूसरे को बहुत ज्यादा कॉपरेट करते थे और खुल कर चुदते चुदवाते थे।

हम लोगों ने कितनी बार अपनी इंस्टीट्यूट में चुदाई करवाई है, इंस्टीट्यूट की छत पर एक कमरा था जिसमें कोई आता जाता नहीं था, कभी कभार कुछ लड़के स्मोक करने चले जाते थे।

वहीं पर हम लोग मौका देख कर शुरू हो जाते थे। जब एक कपल रूम में होता तो तीन कपल रूम के बाहर अपनी बारी की इंतज़ार करते। या यूँ कहें कि उसकी निगरानी करते कि कोई आ न जाये! क्योंकि जिस रूम में हम चुदाई करते थे उसकी खिड़की बाहर की ओर थी जो बीच छत पर खुलती थी।

खिड़की में सिर्फ पारदर्शी काँच लगे थे जिससे अंदर का सारा नज़ारा साफ साफ दिखाई देता था।

इसलिए एक कपल अंदर चुदाई करता और बाकी तीन कपल बाहर निगरानी करते!

ऐसे ही मस्ती भरी हमारी लाइफ चल रही थी। मैं लगभग रोज चुदाई करवाती थी, कभी कभी तो दिन में 2-3 बार भी चुद लेती थी, जब भी मौका मिलता, हम शुरू हो जाते थे।

एक बार मैं और मेरा बॉयफ्रेंड संतोष इंस्टीट्यूट जल्दी पहुँच गये। उस दिन मैं पिक टॉप और छोटी सी व्हाइट कलर की लोअर बिना ब्रा पेंटी के पहने थी।

हम लोग के पहुँचते ही बहुत तेज बारिश शुरू हो गई। इंस्टीट्यूट में कोई भी नहीं आया था सिवाय सफाई कर्मचारी के!

मैं और संतोष क्लास में अकेले बैठ गए या यूँ कहें कि बोर रहे थे। आप लोगों को पता है जब दो विपरीत सेक्स के जवान जिस्म अकेले हों तो क्या होता है। हम एक दूसरे को छेड़ने लगे, छेड़ते छेड़ते पता नहीं कब मैं संतोष के गोद में चली गई।

हम दोनों एकदम गर्म हो गए थे।

संतोष बोला- मेरी जान, छत पर चलो, आगे का काम वहीं करेंगे।

मैं इतराते हुए बोली- आगे का कौन सा काम बेबी ?

तो संतोष मेरी चूत को मसलते हुए बोला- रानी आज इसकी अच्छे से सर्विसिंग करूँगा।

मैं बोली- अच्छा इसकी सर्विसिंग कैसे करोगे ?

संतोष ने मेरा हाथ पकड़ा, अपने जीन्स में घुसा कर बोला- इस औज़ार से !

फिर बोला- पसंद आया औज़ार ? इसी से सर्विसिंग करूँगा रानी !

मैं बोली- इस औज़ार से तो मैं पूरे दिन सर्विसिंग करवा सकती हूँ लेकिन एक दिक्कत है।

संतोष बोला- क्या दिक्कत है ?

मैं संतोष को चुम्मी लेते हुए बोली- आज मैं पीरियड में हूँ। तुम अपने औज़ार को आज थोड़ा आराम दो। कल मेरी इस प्यारी सी चूत की ढंग से सर्विसिंग करना !

यह बात सुनते ही वो बोला- यार कितने दिनों से नहीं चोद रहा हूँ इस पीरियड के चक्कर में... तुम बोली थी कि आज खत्म हो जायेगी। इसलिए आज इंस्टिट्यूट जल्दी आया कि आज तुम्हारी जबर्दस्त चुदाई करूँगा। और तुम्हारा रोज पीरियड हो जाता है।

यह बात सुनकर मैं गुस्सा हो गई, बोली- क्या मैं जान बूझ कर पीरियड बुलाती हूँ। यकीन नहीं है तो लोअर खोलकर देख लो।

फिर वो प्यार से बोला- नहीं मेरी जान, मुझे तुम पर विश्वास है।

और मेरे गले लग गया, मेरी गालों को चूमने लगा, मेरे लिप्स चूसने लगा और मेरी चूचियों को कस कर मसलने लगा।

मैं भी धीरे-धीरे गर्माने लगी, वो मेरी गांड मसलने लगा और बोला- बेबी, आज मूड है, एक बार करने दो ना ?

मैं बोली- यार पीरियड में हूँ।

तो संतोष बोला- मैं चूत की बात नहीं कर रहा हूँ। मैं तो इसकी बात कर रहा हूँ।

वो मेरी गांड को दबाते हुए बोला।

मैं बोली- बिल्कुल नहीं, गांड के बारे में सोचना भी मत... मेरी इतनी प्यारी गांड लहू लुहान हो जाती है।

हालांकि मैं भी गर्म हो गई थी, मैं भी चुदना चाहती थी लेकिन गांड में बहुत ज्यादा दर्द होता है इसलिए डर रही थी।

फिर वो मेरे होठों को धीरे-धीरे खा रहा था और मुझे गांड मरवाने के लिए मनाने लगा, कहने लगा- मैं आराम से चोदूंगा, दर्द नहीं होने दूंगा, अगर दर्द हुआ भी तो थोड़ा ही होगा। मेरे लिए तुम थोड़ा दर्द बर्दाश्त नहीं कर सकती ?

मैं भी कुछ देर में मान गई, बोली- ठीक है, बर्दाश्त तो कर लूंगी लेकिन चोदोगे कहाँ ? यह बात सुनते ही उसने मुझे कसकर गले से लगा लिया, बोला- वहीं जहाँ हम रोज दिन में सुहागरात मनाते हैं।

मैं बोली- छूत पर ?

वो बोला- बिल्कुल !

मैं बोली- यार, आज तो कोई निगरानी करने के लिए भी नहीं है। अगर कोई आ गया तो ?

संतोष बोला- यार, इतनी तेज बारिश में कोई पढ़ने आया ही नहीं तो हमें कौन देखेगा।

मैंने सोचा कि यह सही कह रहा है और मैं उसके साथ ऊपर चली गई।

ऊपर जाते ही जैसे वो पागल हो गया, मेरी चुची को टॉप पर से ही खाने लगा।

मैं बोली- आराम से... मैं कहीं भागी नहीं जा रही !

फिर उसने मेरा टॉप उतार कर एक साइड रखा। टॉप निकलते ही मेरी दोनों रसभरी चुची

बाहर निकल आई जिन्हें देख कर वो चूमने, काटने लगा ।
मुझे दर्द हो रहा था लेकिन मजा भी आ रहा था, मेरे मुंह से 'आआआहह आअहह...' की आवाज़ निकल रही थी, मैं भी उसका जमकर साथ दे रही थी ।

15-20 मिनट ऐसे ही चलता रहा । फिर मैं बोली- आगे भी कुछ करना है या नहीं ?
वो बोला- क्यों नहीं रानी, आज तो तेरी गांड में अच्छे से मोबिल ऑयल डालूंगा ।
मैं सुनकर चौंक गई कि ये क्या बोल रहा है । फिर समझ गई कि यह लंड के मोबिल ऑयल की बात कर रहा है ।

वो अपने घुटनों पर बैठ गया और मेरी लोअर खोलने लगा ।
मैं बोली- पूरा मत खोलना, चूतरो से थोड़ी सी नीचे सरका कर चोद लो ।
वो मान गया और धीरे से मेरी लोअर को खोलकर घुटनों तक सरका दिया ।

लोअर खुलते ही मेरी संगमरमरी अमानत नंगी हो गई, वो बोला- यार तुम्हारे कपड़े उतारने में मजा आ जाता है । और वो भी बिना ब्रा पेंटी के !
यह कहकर वो मेरी फूली हुई गांड को अपने दांतों से जख्मी करने लगा ।

यह हिंदी चुदाई की कहानी आप अन्तर्वासना सेक्स स्टोरीज डॉट कॉम पर पढ़ रहे हैं !

मैंने भी उसके लंड को बाहर निकाल लिया, मैं उसका साथ खुलकर दे रही थी, उसके लंड को ऐसे बेरहमी से मसल रही थी जैसे वो बेरहम होकर मेरी चुची मसलता है ।

मैं लंड को जितना मसलती, उतना ही उसका लंड कड़क और लंबा हो रहा था । मैं बोली- यार ये तो लंबा होता जा रहा है । मैं गांड में इतना बड़ा नहीं लूंगी । मेरी गांड फट जायेगी, आज छोड़ दो । कल तुम मेरी चूत ही मर लेना !

लेकिन वो माना नहीं और मेरी बातों को अनसुना करते हुए मुझे हर तरीके से मसल रहा

था।

मैं भी एकदम गर्म हो गई थी, मेरे मुँह से सिसकारियाँ निकल रही थी जो असहनीय हो रही थी, मैं बोली- जो करना है, जल्दी करो न बेबी, अब बर्दाश्त नहीं हो रहा है।

मेरे इतना बोलते ही वो अपना लंड मेरी गांड पर रखकर सहलाने लगा और अन्दर डालने की कोशिश करने लगा। मेरी तो डर के मारे हालत खराब थी और अन्दर से चुदने का जोश भी था।

तभी वो मुझे टेबल पे झुकने को बोला और अपने लंड को मेरी गांड के छेद के पास रखकर धक्का मारा। गांड टाइट होने की वजह से लंड अंदर नहीं गया।

मैं बोली- यार मेरी गांड फाड़ने पे क्यों लगे हो, पहले अपने लंड पर कुछ लगा लो, फिर डालना!

तब संतोष बोला- यार, अभी कहाँ से क्रीम लाऊँ ? आज ऐसे ही चुद लो।

मैंने मना कर दिया, मैं बोली- ऐसे नहीं यार, मेरी गांड फट जायेगी।

तो वो बोला- यार इस बारिश में क्रीम कहाँ से लाऊँ ?

फिर मुझे याद आया कि मेरे पर्स में क्रीम होगी, उसे कहा तो उसने मेरा पर्स को खोलकर ढूँढना शुरू कर दिया लेकिन क्रीम थी ही नहीं।

तभी उसे लिप गार्ड मिल गया, और बोला- आज इस को लगाता हूँ।

मैं बोली- यार इससे मेरी गांड चिकनी नहीं होगी।

तो संतोष बोला- हो जायेगी मेरी जान, मैं सब सम्भाल लूँगा।

मैं बोली- तुम क्या सम्भाल लोगे गांड तो मेरी फटेगी ना!

इतने में उसने लिप गार्ड की पूरी ट्यूब मेरी गांड पर निकाल दी और लंड डालने की कोशिश करने लगा, मेरी कमर को पकड़ कर जोरदार धक्का मारा, लंड आधा अन्दर चली

गया, मेरी तो दर्द से आवाज़ निकलनी बंद हो गई।

फिर मैं जोर से चिल्लाई- ओहूह हहहह माँ उम्ह... अहह... हय... याह... मेरी गांड!
इतना कह कर जोर से रोने लगी और बोली- मेरी गांड से लंड निकालो!

लेकिन वो तो जैसे बहरा हो गया था, मेरी बात तो जैसे सुन ही नहीं रहा हो।
इतने में उसने फिर एक बार जोरदार झटका मारा, इस बार लंड पूरा गांड में घुस गया, मेरी तो जैसे जान निकल गई हो, मैं जोर-जोर से रोने लगी, बोल रही थी- प्लीज छोड़ दो, नहीं तो मर जाऊंगी।

लेकिन उसने तो जैसे ना सुनने की कसम खाई हो, वो मुझे जोड़ से पकड़ कर लंड आगे पीछे करने लगा और मैं दर्द से कराह रही थीं और बोले जा रही थी- प्लीज छोड़ दो!
वो अपने धुन में मेरी गांड मारे जा रहा था।

करीब 10 मिनट तक वो आगे पीछे करता रहा, उसके बाद मुझे भी थोड़ा मजा आना शुरू हुआ, फिर मैं भी गांड उचका उचका कर अपनी गांड की सर्विसिंग करवाने लगी।
पता ही नहीं चला कब दर्द भरी चीख मादक स्वर में बदल गई और मैं ना जाने कैसे बोलने लगी- और तेज, और जोर से, फाड़ दो आज इस गांड को!

हालांकि दर्द अभी भी बहुत हो रहा थी लेकिन मैं पूरी तरह मदहोश हो गई थी, ऐसा लग रहा था कि मैं किसी और दुनिया में हूँ।
और संतोष तो मेरे से भी ज्यादा पागल हो गया था, वो तो नॉन स्टॉप मशीन की तरह मेरी गांड ठोके जा रहा था, मैं भी हर धक्के को एन्जॉय कर रही थी।

हम दोनों एक दूसरे में पूरी तरह खोये हुए थे, काफ़ी देर तक ऐसे ही जोरदार चुदाई चली, उसके बाद मेरा जोश शांत हो गया लेकिन संतोष अभी भी मूड में था, उसने मेरे झड़ने के

कई मिनट बाद मेरे गांड में ही पूरा वीर्य भर दिया और बोला- मेरी रानी, लो आज मैंने तुम्हारी इस प्यारी गांड की अच्छे से सर्विसिंग करके फ्रेश मोबिल ऑयल डाल दिया, अब अच्छे से माइलेज देगी।

मैं बोली- अच्छा इतना ज्यादा मोबिल ऑयल डाला जाता है। ऐसा लग रहा है जैसे मेरी गांड में बाढ़ आ गई हो।
और हम हँसने लगे।

पूरा वीर्य मेरी जाँघों से रिसते हुए मेरी लोअर में जाकर गिर गया। मैं जैसे ही सीधी हुई, मुझे दर्द बहुत तेज होने लगा, अब मैं ठीक ढंग से खड़ी भी नहीं हो पा रही थी तो मैं चलकर घर कैसे जा पाती।

यह मैं आपको अगली कहानी में बताऊँगी कि मैं घर कैसे पहुँची और मेरे साथ क्या क्या हुआ, कितने लोगों ने मेरी चुदाई की और कितने लोगों ने नयन सुख लिए।
आज के लिए इतना ही!

अब मैं आप लोगों से आग्रह करती हूँ कि मेरी चुची को छोड़ दें, अब मैं घर जाऊँगी। यह क्या... आप लोगों को मैंने मना किया था ना कि कोई दाँत से नहीं काटेगा। पर आप लोग मेरी एक बात भी नहीं मानते, मेरी पूरी चुची पर इतने दाँत के निशान दे दिए।

और मैं बोली थी कि मेरे बेटे को भी थोड़ा दूध पीने दीजियेगा पर आप लोग तो खुद ही सारा दूध पी गए। अब मैं अपने बेटे को क्या पिलाऊँगी और अपने पति को क्या बोलूँगी कि ये इतने सारे निशान कहाँ से आये?

अगर आप लोगों को कहानी पसंद आई हो तो मुझे कमेंट करके जरूर बताएँ।

[अनन्या की सभी कहानियाँ](#)

Other stories you may be interested in

दोस्त की चालू बहन की चुत में मेरा लंड- 1

हॉट लड़की सेक्स कहानी मेरे दोस्त की चुदक्कड़ बहन की है. मैं उसके घर जाता तो वो मेरे साथ खूब मजाक करती. उसने मुझे अपना जिस्म दिखा कर मेरी वासना जगायी. दोस्तो, मेरा नाम अगम है. मेरी पिछली कहानी थी : [...]

[Full Story >>>](#)

गांव की कमसिन कली की चुत का मजा- 2

इंडियन देसी सेक्स गर्ल की कुंवारी बुर को उसके मामा ने फाड़ा. उस लड़की ने खुद मुझे अपनी पहली चुदाई की कहानी सुनाई. आप भी पढ़ कर मजा लें. मैं पासवान अंकल ... एक बार फिर से गांव में मेरी [...]

[Full Story >>>](#)

दोस्त की अम्मी की मस्त चुदाई- 1

फ्रेंड मॉम सेक्स कहानी में पढ़ें कि ट्रेनिंग के दौरान मेरा एक दोस्त बन गया. मैं उसी के घर रहा. वहां उसकी अम्मी मुझे चालू माल लगी. वो मेरे लंड के नीचे कैसे आयी. नमस्कार दोस्तो, मैं राज शर्मा हिन्दी [...]

[Full Story >>>](#)

गांव की कमसिन कली की चुत का मजा- 1

हॉट यंग इंडियन चुदाई कहानी में पढ़ें कि पड़ोस की जवान विधवा की चुदाई के बाद मैंने उसकी कमसिन बेटी पर नजर गड़ा रखी थी. पर वो तो मुझसे ज्यादा गर्म थी. हाय दोस्तो, कैसे हैं आप सब ... उम्मीद [...]

[Full Story >>>](#)

नव वर्ष की संध्या में कुंवारी लड़की की बुर चोदी

गर्लफ्रेंड की देसी बुर की चुदाई कहानी में पढ़ें कि मेरी गर्लफ्रेंड ने मुझे जन्मदिन पर बुलाया था. पर मैं उससे पहले ही पहुंच गया। वो मेरे होटल में आयी और ... सभी को मेरा नमस्कार। मेरा नाम आर्यन (बदला [...])

[Full Story >>>](#)

